

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

सोनभद्र खदान हादसा : बिल्ली-मारकुंडी में पत्थर गिरने से मजदूर मलबे में दंबे, रेस्क्यू जारी

Publisher

Published on 15 Nov 2025



उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र स्थित बिल्ली-मारकुंडी खनन इलाके में शनिवार को एक बड़ा हादसा हुआ। कृष्णा माइनिंग वर्क्स में पत्थर दरकने से कई मजदूर मलबे में दब गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक टीमों और रेस्क्यू ऑपरेशन मौके पर जुट गई हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कई मजदूरों की जान जाने का खतरा बताया जा रहा है।

घटना उस समय हुई जब खदान में नौ कंप्रेशन मशीनों के जरिए काम चल रहा था। मजदूर होल कर रहे थे, तभी अचानक चट्टान दरककर मलबा उनके ऊपर गिर गया। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू टीमों ने तुरंत मलबा हटाने का कार्य शुरू किया, ताकि मजदूरों को सुरक्षित निकाला जा सके।

जानकारी मिली है कि मलबे में दबे मजदूरों में कई गंभीर रूप से घायल हैं। प्रशासन ने आसपास के अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है और घायल मजदूरों के उपचार की तैयारी की जा रही है। वहीं, सुरक्षा अधिकारियों ने मजदूरों को खदानों के खतरनाक क्षेत्रों से हटाने और रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं।

सोनभद्र जिले के बिल्ली-मारकुंडी खनन क्षेत्र में यह कोई पहला हादसा नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में खदानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण कई दुर्घटनाएं सामने आई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि खनन क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और सुरक्षा उपायों की कमी इस तरह के हादसों का मुख्य कारण बनती है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि मलबा हटाने और फंसे मजदूरों को निकालने के लिए एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों को बुलाया गया है। इसके साथ ही पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने खदान के आसपास के इलाकों में भीड़ को नियंत्रित किया ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई बाधा न आए।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह संभवतः चट्टान में दरार और खदान की पुरानी संरचना हो सकती है।

उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन में हर संभव प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही सभी फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा।

स्थानीय लोगों और मजदूरों के परिजन मौके पर जमा हो गए हैं। उन्होंने प्रशासन और रेस्क्यू टीमों से मजदूरों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने की अपील की है। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि इस हादसे की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र खनन क्षेत्र में लगातार होने वाले इस तरह के हादसे एक बार फिर सुरक्षा मानकों और मजदूरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि खदानों में नियमित सुरक्षा निरीक्षण, मजदूरों के लिए सुरक्षा उपकरण और आकस्मिक परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षण बेहद जरूरी है।

हालांकि रेस्क्यू ऑपरेशन अभी जारी है, लेकिन प्रशासन और स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही सभी फंसे मजदूर सुरक्षित बाहर आ जाएंगे और हादसे में जान-माल का नुकसान कम से कम होगा।

सोनभद्र खनन हादसा इस बात की याद दिलाता है कि खदान क्षेत्रों में सुरक्षा को प्राथमिकता देना और मजदूरों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करना कितना आवश्यक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.